आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
शुक्रवार 05.06.2026
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- प्रदेश सरकार ने वर्ष 2021 तक के राज्य आंदोलनकारियों के लम्बित आवेदनों के निस्तारण की अवधि में विस्तार किया।
- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया।
- विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश के सभी विद्यालयों में एनसीसी, एनएसएस और स्काउट–गाइड की इकाइयों का गठन करने के निर्देश दिए।
- डेंगू के संभावित खतरे से निपटने के लिए देहरादून नगर निगम ने लार्वीसाइडल टैंकर अभियान का शुभारंभ किया।

राज्य आंदोलनकारी

प्रदेश सरकार ने राज्य आंदोलनकारियों के चिन्हीकरण की प्रक्रिया को अधिक प्रभावी और समावेशी बनाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी कार्यालयों में वर्ष 2021 तक लंबित आवेदनों के निस्तारण की समयावधि में विस्तार किया गया है। इस संबंध में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के अनुमोदन के बाद सचिव शैलेश बगोली की ओर से शासनादेश जारी किया गया है। अब शासन द्वारा आवेदन पत्रों के निस्तारण की अवधि भी 24 जुलाई 2026 से 24 सितम्बर 2026 तक निर्धारित की गई है। इस संबंध में आवश्यक कार्यवाही के लिए शासनादेश की प्रति मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और संबंधित विभागों को प्रेषित कर दी गई है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य सरकार, उत्तराखण्ड आंदोलन से जुड़े सभी वास्तविक आंदोलनकारियों के सम्मान और पहचान के प्रति प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में आवेदन प्रक्रिया को सरल और पारदर्शी बनाते हुए पात्र व्यक्तियों को पर्याप्त अवसर प्रदान किया जा रहा है।

पर्यावरण दिवस

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज प्रदेश के विभिन्न जिलों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों से पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन के प्रति संकल्पबद्ध होकर कार्य करने का आह्वान किया है। एक सन्देश में मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड के लोकपर्व, परम्पराएं और जनजीवन सदैव पर्यावरण संरक्षण के मूल्यों को सुदृढ़ करते रहे हैं।

पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक प्रयासों की जरूरत बताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हमें एकजुट होकर प्रकृति के संरक्षण की दिशा में भी चिन्तन करना होगा। वहीं, कृषि मंत्री गणेश जोशी ने विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आज अपने शासकीय आवास परिसर में फलदार पौधों का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने पर्यावरण संरक्षण और हरित भविष्य के निर्माण के लिए पौधारोपण को जनआंदोलन बनाने का आह्वान किया। इस दौरान कृषि मंत्री ने लोगों को फलदार पौधे भी वितरित किए। उन्होंने कहा कि फलदार पौधों का रोपण पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ पोषण सुरक्षा और जैव विविधता को भी बढ़ावा देता है।

स्मार्ट कैमरे

नैनीताल जिले के हल्द्वानी वन प्रभाग में मानव–वन्यजीव संघर्ष की रोकथाम के लिए ए.आई आधारित स्मार्ट कैमरे लगाने की पहल की गई है। नंधौर वन्यजीव अभ्यारण्य की सीमा के समीप के संवेदनशील गांवों के निकट ये कैमरे लगाए गए हैं। इस परियोजना के तहत स्थापित किए जाने वाले कैमरे अत्याधुनिक तकनीक से लैस है। प्रभागीय वनाधिकारी कुंदन कुमार ने बताया कि जंगलों के समीप गांव में वन्यजीवों का आवागमन बना रहता है, जिससे मानव वन्यजीव संघर्ष और किसानो की फसल नुकसान का खतरा बना रहता है। इसे देखते हुए नई तकनीक के कैमरे लगाए गए हैं।

वहीं, रेंजर प्रदीप कुमार पंत ने बताया कि ये कैमरे उन गांव में लगाए गए हैं, जहां वन्यजीवों का आवागमन लगातार रहता है।

ग्रामीण नरेश चंद सुयाल का कहना है कि कैमरे लगाने से उन्हें काफी फायदा हो रहा है।

शिक्षा मंत्री

विद्यालयी शिक्षा मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने प्रदेश के सभी विद्यालयों में एनसीसी, एनएसएस और स्काउट–गाइड की इकाइयों का गठन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि प्रत्येक छात्र–छात्रा को अनुशासन, नेतृत्व और सामाजिक सेवा से जुड़ी गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिल सके। उन्होंने विद्यालयों में ड्रॉपआउट दर को शून्य करने के लिए प्रभावी कार्ययोजना तैयार करने पर भी विशेष बल दिया। पौड़ी गढ़वाल के श्रीनगर में आयोजित विभाग की समीक्षा बैठक में डॉ. रावत ने कहा कि राज्य सरकार विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण, समावेशी और छात्र–केंद्रित शिक्षा उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने अधिकारियों को विद्यालयों में डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देने, मुख्यमंत्री छात्रवृत्ति योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार करने और पात्र विद्यार्थियों को इसका अधिकतम लाभ दिलाने के निर्देश दिए। उन्होंने छात्र संख्या के आधार पर विद्यालयों के उच्चीकरण, डी–श्रेणी विद्यालयों के निर्माण कार्यों के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने, विकासखंडवार मात्राकरण और शिक्षकों की पदोन्नति संबंधी मामलों में तेजी लाने के निर्देश भी दिए।

नगर निगम देहरादून

मानसून सीजन और डेंगू के संभावित खतरे को देखते हुए नगर निगम देहरादून ने विशेष अभियान शुरू किया है। महापौर सौरभ थपलियाल ने पहले चरण में निगम परिसर से लगभग 15 लार्वीसाइडल टैंकरों को विभिन्न क्षेत्रों और वार्डों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। ये टैंकर शहर के संवेदनशील क्षेत्रों, जलभराव वाले स्थानों, नालों, खाली भूखंडों, सार्वजनिक स्थलों और अन्य संभावित मच्छर प्रजनन क्षेत्रों में नियमित रूप से लार्वीसाइडल छिड़काव और उपचारात्मक कार्यवाही करेंगे। महापौर ने कहा कि डेंगू जैसी मौसमी बीमारियों की रोकथाम के लिए नगर निगम शहरवासियों के स्वास्थ्य संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है।

यूकाडा

आगामी मानसून सीजन के दौरान संभावित आपदा और आपातकालीन परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिए उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण– यूकाडा ने एक महत्वपूर्ण पहल की है। प्रदेश में चारधाम यात्रा के लिए संचालित प्रत्येक हेली कंपनी की ओर से यूकाडा को 10–10 घंटे के निःशुल्क फ्लाइंग ऑवर्स उपलब्ध कराए जा रहे हैं, जिनका उपयोग आपदा प्रबंधन और राहत व बचाव कार्यों में किया जा रहा है। वर्तमान में चारधाम यात्रा में संचालित आठ हेली कंपनियां कुल 80 घंटे के निःशुल्क फ्लाइंग ऑवर्स उपलब्ध कराए गए हैं। इन घंटों का उपयोग मेडिकल इमरजेंसी, हवाई रेस्क्यू और दुर्गम क्षेत्रों में राहत सामग्री पहुंचाने के लिए किया जा रहा है। यूकाडा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. आशीष चौहान ने बताया कि इसका उद्देश्य मेडिकल इमरजेंसी, उच्च हिमालयी क्षेत्रों में फंसे यात्रियों की सहायता और राहत व बचाव कार्यों के लिए त्वरित हवाई सेवाएं उपलब्ध कराना है।